Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Need to take steps to develop Valmiki Nagar as an International Tourists destination.

श्री सुनील कुमार (वाल्मीकि नगर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अति महत्वपूर्ण लोक महत्व के विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । बिहार का एकमात्र वाल्मीकि नगर व्याघ्र अभ्यारण्य है । यह भगवान श्री राम के सुपुत्र लव-कुश की जन्मस्थली, माता सीता जी की तपस्थली और महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि है । मैं इसको अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं । यह 53 प्रकार के स्तनपाया, 26 प्रकार के सरीसृप और 07 प्रकार के उभयचर जानवरों के साथ 145 प्रकार के पक्षियों से युक्त अभ्यारण्य है । यह 86 प्रकार की वृक्ष प्रजाति, 17 प्रकार की लता-वेल और 22 प्रकार की घास से सुशोभित प्राकृतिक सम्पदा बिहार की धरोहर है । आधुनिक तरीकों से सीमा की घेराबंदी न होने से और वनकर्मियों द्वारा निगरानी में कमी के कारण जंगली-जानवर ग्रामीण क्षेत्र में आकर जान-माल की क्षति करते हैं ।

अत: मैं आपके माध्यम से वन एवं पर्यावरण मंत्री जी से मांग करता हूं कि वाल्मीकि नगर को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में कारगर कदम उठाया जाए । धन्यवाद ।